

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 226 , मंगलवार, 29 सितंबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www. bordernewsmirror@gmail.com



मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के विरोध में कांग्रेस का धरना, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन



गंडक का जलस्तर खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बाढ़ का जायजा लेने डुमरियाघाट...



संदीप किशन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी फारिया अब्दुल्ला, सिग्मा में...



सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया नया तरीका, ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई

ट्रैफिक चालान नहीं भरा तो बिजली बिल में जुड़ सकती है रकम!

- एससी ने कहा-चालान जारी करना काफी नहीं, उनकी वसूली भी है बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रैफिक चालान की वसूली को लेकर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो इसकी वसूली के लिए बिजली बिल जैसे दूसरे सरकारी बकाये के साथ रकम जोड़ने जैसे तरीकों पर विचार किया जा सकता है।

जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि



सिर्फ ई-चालान जारी करते रहना काफी नहीं है। पुलिस हजारों और लाखों ई-चालान जारी कर सकती

है। लेकिन असली सवाल इन चालानों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली का है।

जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए करना होगा काम

जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि अधिकारियों को जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों के चालान बाकी हैं, उनके रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के रिन्यू और डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। ऐसे वाहनों के मालिकाना हक में बदलाव भी रोका जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक चालान का भुगतान नहीं होता, तब तक वाहन का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे वाहनों को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने और ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण पर रोक लगाने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं।

असम से ब्रह्मपुत्र के रास्ते शुरू हो रहा है अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- बांग्लादेश बनने के बाद पहली बार इस रास्ते से गुजरेंगे दो कार्गो जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डिब्रूगढ़ से आजादी के बाद पहली बार ब्रह्मपुत्र नदी के रास्ते इंटरनेशनल कार्गो शुरू हो रहा है। इस तरह का पहला कार्गो बांग्लादेश भेजा जा रहा है, जो उसके इतिहास में भी पहली बार होने वाला है। असम के डिब्रूगढ़ के बोगीबील टर्मिनल से दो कंटेनर शिप बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं, जिन पर कुल 1,080 टन मेथेनॉल लदा है। दोनों जहाजों पर 20-20 टन मेथेनॉल वाले 27-27 कंटेनर लदे हैं और प्रत्येक जहाज पर लगभग 540 टन माल है। इस मेथेनॉल का उत्पादन असम के ही सरकारी असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड में किया गया है।



80 साल बाद ब्रह्मपुत्र नदी के जरिए निर्यात-मोड़िया रिपोर्ट के मुताबिक असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन बिकुल डेका ने कहा कि करीब 80 साल बाद डिब्रूगढ़ से नदी के रास्ते निर्यात की शुरुआत हो रही है।

संक्षिप्त

समाचार

दो डीएसपी दबा गए माओवादियों के सीक्रेट बंकर से मिला कैश

पुलिस विभाग के भीतर ही उठ रहे गंभीर सवाल, रिपोर्ट भी दबाई

रायपुर (एजेंसी)। माओवादी डंग की तलाश के दौरान बरामद करीब 20 लाख रुपये की नकदी को लेकर अब पुलिस विभाग के भीतर ही गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मार्च-अप्रैल 2026 में सुकमा जिले के मुरगांव क्षेत्र के जंगलों में तलाशी के दौरान मिली रकम को सरकारी खाते में जमा कराने के बजाय तत्कालीन दो डीएसपी ने आपस में बांट लिया। मामले की जानकारी तत्कालीन एसपी तक पहुंचने के बाद आंतरिक जांच कराई गई। लेकिन जांच रिपोर्ट सामने



नहीं आने से पूरे मामले को लेकर सवाल बने हुए हैं। विभाग की ओर से इस आरोप पर अब तक कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। दरअसल, तत्कालीन डीएसपी पुलिस टीम के साथ मुरगांव के आश्रित गांव टोडमरका और मरकाकोनारी के जंगलों में माओवादी डंग की तलाश के लिए गए थे। तलाशी अभियान के दौरान टोडमरका के जंगल से करीब 15 लाख रुपये और मरकाकोनारी से करीब 5 लाख रुपये बरामद होने की बात सामने आई। इस तरह कुल बरामद नकदी करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। यही रकम अब पूरे विवाद के केंद्र में है।

रेलवे स्टेशन के पास शराब की दुकान ना बाबा ना

रेलवे की मांग, स्टेशनों के पास से हटाए ‘लिकर शॉप’

चेन्नई (एजेंसी)। रेलवे की तरफ से एक बड़ी डिमांड आई है। रेलवे ने तमिलनाडु की एक सरकारी कंपनी से कहा है कि वह रेलवे स्टेशन के निकट या रेल फाटकों और रेल लाइनों के नजदीकी के शराब दुकानों को रिलोकेट करे। इसका अर्थ है कि इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट करें। रेलवे का कहना है कि इन लिकर शॉप्स की वजह से रेल परिसर में



अव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। रेलवे की चिट्ठी में 43 लिकर शॉप का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने कंपनी के प्रबंध निदेशक को चिट्ठी लिख कर यह मांग रखी है। रेलवे का कहना है कि रेलवे स्टेशन या रेलवे लाइनों के पास स्थित इन शराब की दुकानों के पास ही लोग दारू पीते हैं और झुमते हुए या रेलवे लाइन को अवैध तरीके से पार करते हैं या रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यही नहीं, कभी-कभी लोग नशे में पास से गुजर रही ट्रेन पर पत्थर भी फेंकते हैं।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर देना ही होगा चार्ज

- एससी का केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से ज्यादा के कुछ खास यूपीआई पर्सन-टू-मचेंट ट्रांजेक्शन पर एमडीआर लगाया जाना है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दो हजार से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गेटवे का इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट प्राप्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला कानूनी से ज्यादा तकनीकी है और केंद्र व अन्य को चार हफ्ते के भीतर अपना



शुरुआत में यूपीआई के लिए एक नया फ्रेमवर्क घोषित किया, जिसके तहत 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर 0.4 फीसदी का

एमडीआर लगेगा। सरकार का कहना है कि पर्सन-टू-पर्सन (एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति

लिए यूपीआई पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा। सरकार ने कहा था कि सभी पर्सन 2 मचेंट (व्यक्ति-से-मचेंट) ट्रांजेक्शन में से लगभग 96 प्रतिशत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमडीआर मचेंट पेमेंट इकोसिस्टम का एक चार्ज है, न कि यूपीआई पेमेंट करने वाले ग्राहकों से ली जाने वाली कोई फीस। बैंकों को यह पक्का करने के लिए कहा गया है कि मचेंट एमडीआर का बोझ ग्राहकों पर न डालें, जबकि यूपीआई ऐप्स को प्लेटफॉर्म फीस या छिपे हुए चार्ज लगाने से मना किया गया है। सरकार की एक प्रेस रिलीज में अक्सर सवालों की जानकारी दी गई है।

उज्जैन में शाही मस्जिद का हिस्सा तोड़ने पर कोहराम

- जमकर हंगामा, पथराव-लाठीचार्ज, 10 पर एफआईआर
- 5 गिरफ्तार, इमाम का दावा- मस्जिद 600 साल पुरानी

भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन में शाही मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। पुलिस ने 10 लोगों पर एफआईआर की है। इनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। अभी इसकी गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है जबकि बाहर से आए 5 लोग अरेस्ट हुए हैं।



- हाईकोर्ट का आदेश जारी रहेगी कार्रवाई- उज्जैन की शाही मस्जिद पर नगर निगम की कार्रवाई जारी रहेगी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर डबल बेंच ने मस्जिद का

हिस्सा तोड़ने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ वर्ष 2028 में लगेगा। ऐसे में उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का अभियान नगर निगम चला रहा है और उसी के तहत शाही मस्जिद के कुछ हिस्सों को हटाने

की तैयारी प्रशासन ने की थी लेकिन इस बीच मुस्लिम समुदाय के लोग रविवार को बड़ी संख्या में मस्जिद में जमा हुए। शहर में कई इमारतें तोड़ी गई हैं, जिनमें मोहन यादव का एक पेटूक घर भी शामिल है। मोहन यादव के दादा द्वारा बनाए गए घर का एक हिस्सा विकास कार्यों के तहत तोड़ा गया है। सोमवार सुबह जब प्रशासन के लोग मस्जिद गिराने पहुंचे तो विवाद बढ़ गया और भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। प्रशासन के साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है जो शहर की फिजा खराब कर रहे हैं। 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, मामले में 5 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। शहर काजी के घर के बाहर भी कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया था। उन पर भी एफआईआर दर्ज की जा रही है।

छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान भी विकसित करेगा भारत!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, तेजी से बढ़ा रहा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि भारत पांचवीं पीढ़ी के साथ-साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस मार्ग पर चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन देश का संकल्प पूरी तरह अडिग है और भारत अगले दशक में रक्षा निर्माण में एक बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। भारत अपने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ-साथ एयरोस्पेस प्रोपल्शन, स्वदेशी विमान और ड्रोन इंजन विकसित करने पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य बिना किसी विघटन के आगे बढ़ना और संघर्ष के बिना सकारात्मक बदलाव लाना है। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि जो राष्ट्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करेगा।



सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, प्रदर्शन

देश भर के आठ राज्यों में किया प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

आगरा में सीईसी के घर पर कालिख पोती, जमकर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के 10 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली, केरल में सोमवार को कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- ‘ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर’।



राजस्थान के जयपुर में शहीद स्मारक पर सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस तक पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर

- प्रतीकात्मक रूप से सीईसी बने कार्यकर्ता को जंजीरी में बांधा- मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में भोपाल में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर भी चढ़ गए। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की। जमकर प्रदर्शन किया।

प्रशांत इफेक्ट तो नहीं! सावधानी से कदम बढ़ा रही भाजपा

बिहार के एमएलसी इलेवशन में कैंडीडेट पर सस्पेंस बरकरार

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी इन दिनों विशेष चर्चा का केंद्र बन चुकी है। वजह है एमएलसी चुनाव। वो भी इसलिए कि उनके साथी दल ने बहुत पहले ही अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर एक कदम इस लिहाज न बढ़ गई कि जदयू के भीतर उम्मीदवारों को लेकर कुछ भी अंतर्द्वंद नहीं है। मगर, भाजपा के भीतर नामों की घोषणा की प्रक्रिया काफी जटिल है। कई स्तरों पर स्कूटनी के बार पहला मुहर तो प्रदेश भाजपा कमिटी और फिर केंद्रीय कमिटी लगाती है। बांकीपुर से सबक लेते हुए बीजेपी फूक-फूक कर कदम बढ़ाना चाहती है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व के सूत्रों की माने तो बीजेपी के रणनीतिकारों ने सब कुछ तय कर लिया है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है।



मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी की आठवीं बैठक संपन्न, द्वितीय चंपारण एक्सपो के आयोजन का निर्णय

सत्र 2027 के आम चुनाव की तिथि 22 नवंबर 2026 निर्धारित, एमडीआर शुल्क को लेकर व्यापारियों ने जताई चिंता



बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स की 27वीं कार्यकारिणी की आठवीं बैठक नगर के छत्तीनी स्थित एक निजी होटल के सभागार में चैंबर अध्यक्ष महेश सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा के साथ व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान वर्ष 2026 के अंत में द्वितीय चंपारण एक्सपो आयोजित करने का संकल्प लिया गया। वहीं, चैंबर के सत्र 2027 के आम चुनाव की तिथि भी निर्धारित की गई। बैठक की शुरुआत महासचिव आलोक कुमार ने गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं विगत अवधि में चैंबर द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत कर की। इसके बाद कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा ने चैंबर के आय-व्यय का ब्योरा सदन के समक्ष रखा। बैठक में पूर्व महासचिव अंकुर जायसवाल, धीरेंद्र कुमार, विकास कुमार एवं सुधांशु कुमार विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जिला प्रशासन एवं व्यवसायियों के बीच आयोजित संवाद कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम संयोजक अंगद सिंह ने विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता पर आयोजन समिति को बधाई दी और प्रस्तुत प्रतिवेदन की सराहना की।

द्वितीय चंपारण एक्सपो के आयोजन का संकल्प- बैठक में वर्ष 2026 के अंत में द्वितीय चंपारण एक्सपो आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने कहा कि इस एक्सपो के माध्यम से स्थानीय व्यापार, उद्योग, उद्यमिता एवं क्षेत्रीय उत्पादों को व्यापक मंच

उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ करने पर भी सहमति बनी।

यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क को लेकर चिंता-बैठक में यूपीआई लेन-देन पर मॉडेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू किए जाने की आशंका को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। सदस्यों ने चिंता जताई कि व्यापारियों पर अतिरिक्त लेन-देन शुल्क का भार पड़ने से व्यापारिक लागत में वृद्धि हो सकती है। इस मुद्दे पर व्यापारी समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित स्तर पर विरोध दर्ज कराने तथा समाधान की रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया।

22 नवंबर को होगा चैंबर का आम चुनाव- बैठक में चैंबर के सत्र 2027 के आम चुनाव के लिए आगामी 22 नवंबर 2026, रविवार की तिथि निर्धारित की गई। चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न करने के उद्देश्य से पूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र जालान को चुनाव प्रभारी तथा पूर्व अध्यक्ष अनुपम जायसवाल को सहायक चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में संयोजक मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा, उपसचिव विनय देवकुलियार, पूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र जालान, संजय जायसवाल, अनुपम जायसवाल, सुधीर अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र, कार्यकारिणी सदस्य हेमंत कुमार, सुधांशु रंजन, अनिल अग्रवाल, चंदू मिश्रा, अरविंद सर्राफ, सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. कमलेश कुमार सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में निर्वर्तमान अध्यक्ष अंगद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। उक्त जानकारी मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव -सह- मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने दी।

मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के विरोध में कांग्रेस का धरना, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@ मोतिहारी

मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, वोट चोरी और नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म- 6 की जटिल प्रक्रिया के विरोध में सोमवार को जिला समाहरणालय के समक्ष कांग्रेस ने धरना-प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस एक दिवसीय धरने में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक चले धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें निर्वाचन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। धरना-प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गणू राय और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष -सह- सांगठनिक जिला गोविंदगंज के जिला प्रभारी जितेंद्र कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस दौरान वक्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यशैली, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और नए मतदाताओं के पंजीकरण की

प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल-प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में भाजपा के 12 मुख्यमंत्रियों और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के एकजुट होकर सामने आने से कई सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यशैली भाजपा के राजनीतिक हितों के अनुरूप प्रतीत होती है, जिससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और स्वतंत्रता को लेकर लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सर्वोपरि है। इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना आवश्यक है, ताकि चुनाव प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कायम रहे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गणू राय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले दो वर्षों से निर्वाचन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के नाम पर लाखों युवाओं, महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों के मताधिकार प्रभावित होने की आशंका है। मतदाता सूची से किसी भी पात्र नागरिक का नाम हटाना



जाना गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने का उठाया मुद्दा-गणू राय ने कहा कि राहुल गांधी ने साक्ष्यों के साथ मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी का मुद्दा उठाया है। उनके अनुसार, बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मामला गंभीर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह होनी चाहिए। कांग्रेस इस मुद्दे पर लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। धरना-प्रदर्शन को

तथा उनके विरुद्ध गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। इसके अलावा उनके कार्यकाल के दौरान मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और हेराफेरी की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा जांच के निष्कर्षों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई करने की मांग भी की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मताधिकार भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। इसकी सुरक्षा के लिए निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

विभिन्न प्रकाशों के पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता रहे मौजूद-धरना-प्रदर्शन में विजय शंकर पाण्डेय, सत्येंद्र नाथ तिवारी, रामप्रवेश तिवारी, धनंजय तिवारी, रमेश सहनी, मो. नेयाज अहमद, मदन प्रसाद, मनोरंजन तिवारी, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, पणू कुमार ठाकुर, पिन्टू श्रीवास्तव, मो. ओसेंद्र रहमान खान, प्रिंस मिश्रा, अवनीश कुमार, राजेश पाण्डेय, रत्न तिवारी, रामबाबू सिंह, पंकज कुमार, रविन्द्र नाथ तिवारी, परशुराम पाण्डेय, रंजीत पाण्डेय, राजू कुमार ठाकुर, मनोज कुमार सिंह, रमण कुमार तिवारी, मन्टू कुमार, सुभाष मिश्रा, शैलेश

कुमार ठाकुर, राकेश राय, संजय पाण्डेय, निरंजन पाण्डेय, आलोक राय, राजू दूबे, मो. अस्फाक आलम, अजय झा, प्रेमकिशोर पाण्डेय, दुनदुन यादव, मुकेश तिवारी, चुनन जायसवाल, नन्द कुमार चौबे, संजय कुमार यादव, राज कुमार यादव, हरि किशोर पटेल, आबिद हुसैन, धीरज कुमार, मो. अफरोज आलम, रमेश कुमार श्रीवास्तव, त्रिपुरारी मिश्रा, जयराम यादव, उमेश कुमार, मोहन तिवारी, जयलाल यादव, मनु कुमार मिश्रा, रंजीत कुमार, मोख्तार प्रसाद गुप्ता, शशि भूषण यादव, सत्यजीत यादव, शेख हनीफ, अविनाश कुमार उपाध्याय, आलोक कुमार यादव, गणेश केसरी, बोलदार जी, मो. अजहर हुसैन अंसारी, शम्भू राम, मो. मोख्तार आलम, देश बन्धु प्रसाद, रंजीत कुमार मिश्रा, शंकर महतो, हीरा साह और मो. साहिद मंसूरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्षों के अलावा युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची की शुचित्ता, पात्र नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा तथा निर्वाचन प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

जिला के सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त ईसीजी जांच की सुविधा शुरू, मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए निःशुल्क ईसीजी (इलेक्ट्रोकार्डिोग्राम) जांच की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत सदर अस्पताल से लेकर सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित जिले के 27 प्रखंडों के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय परामर्श के बाद मरीजों की मुफ्त ईसीजी जांच की जा रही है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को हृदय संबंधी बीमारियों की जांच की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए निजी क्लीनिकों का सहारा नहीं लेना पड़े। सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क ईसीजी जांच की सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को आर्थिक राहत मिलेगी और समय पर बीमारी की पहचान भी संभव हो सकेगी। वहीं, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि हृदय रोगों की समय पर पहचान और समुचित उपचार में ईसीजी जांच



की महत्वपूर्ण भूमिका है। ईसीजी एक सरल, सुरक्षित और दर्दरहित जांच प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से हृदय की विद्युत गतिविधियों को रिकॉर्ड कर उसकी धड़कन की गति और लय का पता लगाया जाता है। सीने में दर्द, तेज धड़कन, अनियमित धड़कन और हृदय संबंधी अन्य लक्षणों की स्थिति में चिकित्सकीय सलाह के अनुसार यह जांच काफी उपयोगी साबित होती है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से अब जिले के मरीजों को हृदय संबंधी शुरुआती जांच के लिए निजी जांच केंद्रों पर खर्च करने की जरूरत नहीं होगी। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त ईसीजी की सुविधा उपलब्ध होने से न केवल मरीजों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि हृदय रोगों की समय रहते पहचान कर बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

» जनसुनवाई में 12 फरियादियों ने रखीं अपनी शिकायतें, जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित जांच एवं कार्रवाई के लिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सात निश्चय- 3 के अंतर्गत सातों निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान (Ease of Living)' को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने जनसुनवाई आयोजित कर आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान जिले के सभी छह अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कुल 12 फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने प्रत्येक आवेदक की व्यक्तिगत रूप से बुलाकर उनकी बात सुनी और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक



जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनसमस्याओं के निष्पादन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

नल-जल योजना में अनियमितता की शिकायत, जांच के निर्देश-जिला के बनकटवा प्रखंड की जीतपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रभा देवी ने पंचायत में संचालित नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित अनियमितता एवं घटिया निर्माण कार्य की शिकायत जिलाधिकारी से की। उन्होंने बताया कि पंचायत के वार्ड संख्या 3, 6, 7, 8, 11 एवं 16 में नल-जल योजना के तहत निर्धारित सरकारी मानकों की अनदेखी करते हुए गुणवत्ताहीन कार्य कराया गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की

मांग की। जिलाधिकारी ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, ढाका को मामले की जांच कराने तथा जांच के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। **आपत्तिजनक गाने के प्रसारण पर कार्रवाई की मांग-**हरसिद्धि अंचल के गायघाट निवासी शिवचंद्र ठाकुर ने एक यूट्यूब चैनल पर नाई समाज के प्रति कथित रूप से अश्लील एवं आपत्तिजनक गाने के प्रसारण का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रसारित गाने में महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आक्रोश एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। जिलाधिकारी ने मामले की

गंभीरता को देखते हुए आवेदन को अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरराज को अग्रसारित किया तथा शीघ्र जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जमाबंदी एवं वंशावली से जुड़ी समस्या के समाधान का निर्देश-सदर मोतिहारी अंचल के अमलापट्टी, वार्ड संख्या 15 निवासी सीमा देवी ने खाता, खेसरा एवं रकबा की जांच कर वंशावली में दर्ज नाम के आधार पर जमाबंदी कायम करने से संबंधित अपनी समस्या जिलाधिकारी के समक्ष रखी। मामले पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने आवेदन को अंचलाधिकारी, मोतिहारी के पास अग्रसारित किया और संबंधित अभिलेखों की समुचित जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के माध्यम से जिलाधिकारी ने आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान, प्रशासनिक जवाबदेही तथा सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। सात निश्चय- 3 के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल का मुख्य लक्ष्य आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करना और उन्हें सहज, सुलभ एवं संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए नियमित करें छापेमारी- जिलाधिकारी

» सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस और एसएसबी संयुक्त रूप से चलाएंगे अभियान, एक माह में 44 तस्कर गिरफ्तार, 775 किलो गांजा जब्त



कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में विगत एक माह के दौरान जिला पुलिस की कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया गया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 33 मामले दर्ज किए गए हैं तथा 44 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 775 किलोग्राम गांजा, एक किलोग्राम चरस, 24 ग्राम स्मैक, एक पिस्टल, 18 मोबाइल फोन, 10 मोटरसाइकिल, पांच चारपट्टियां वाहन, एक ट्रक, 16.60 लाख रुपये नकद तथा नौ हजार नेपाली रुपये जब्त किए गए हैं। जिलाधिकारी ने रक्सौल, ढाका, आदापुर और चोड़ासहन जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल से सटे इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी की आशंका को देखते हुए पुलिस और

और अंतरजिला समन्वय को मजबूत करने पर भी जोर दिया। एसएसबी के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के सहयोग से मादक पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाकर गिरफ्तारियां की गई हैं। इसके अलावा, संदिग्ध दवा दुकानों पर भी लगातार छापेमारी की जा रही है। सहायक आयुक्त, मद्य निषेध ने बताया कि लक्ष्मीपुर और रक्सौल चेकपोस्ट पर कार्रवाई के दौरान एक मोटरसाइकिल के साथ सात किलोग्राम गांजा जब्त किया गया तथा दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में सूचना तथा कांड संख्या 460/26, दिनांक 31 अगस्त 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त 2.31 किलोग्राम गांजा भी जब्त किया गया। जिलाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को सीमावर्ती क्षेत्रों में खाद दुकानों के स्टॉक का नियमित सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निरोधात्मक कार्रवाई में लगे अधिकारी स्थानीय थातों को अनिवार्य रूप से सूचना दें तथा आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाएं। अनुमंडल स्तर पर पुलिस प्रशासन, एसएसबी, औषधि नियंत्रण और कृषि विभाग के अधिकारी संयुक्त बैठक कर तस्करी पर रोक लगाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करें। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण

प्रभात ने अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों और सभी थानाध्यक्षों को मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के विरुद्ध सतर्कता के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और असाમાजिक तत्वों पर नजर रखने तथा चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों के आसपास निगरानी बढ़ाने को कहा। जिलाधिकारी ने ड्रग इंस्पेक्टर और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को दवा दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों और अन्य दुकानों की नियमित जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार के मद्देनजर रक्सौल, ढाका, अरराज सहित सभी अनुमंडलों में बड़े मिचन भंडारों और अन्य दुकानों की जांच सुनिश्चित की जाए। जांच और कार्रवाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में 71वीं, 20वीं और 47वीं बटालियन के कमांडेंट, जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, औषधि नियंत्रक, अधीक्षक मद्य निषेध, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला शिक्षा पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, मोतिहारी के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

‘एक पेड़ माँ के नाम’ संकल्पना एवं उपयोगिता विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित



बीएनएम@ मोतिहारी

माहात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत संचालित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत संकल्पना एवं उपयोगिता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्कृत, हिंदी एवं हिंदू अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें लगभग 30 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री की 'एक पेड़ माँ के नाम' संकल्पना की सराहना करते हुए इसके पर्यावरणीय एवं सामाजिक महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से माँ के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन का संदेश भी दिया जाता है। जिस प्रकार माँ अपने स्नेह और ममता से संतान का पालन-पोषण करती हैं, उसी प्रकार पेड़ भी मानव जीवन को आधार प्रदान करते हैं। माँ के नाम पर या माँ के साथ मिलकर पौधा लगाना और उसकी देखभाल करना इस अभियान की मूल भावना है। कार्यक्रम का आयोजन 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. बबलू पाल के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन की अनुमति, सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के प्रति आभार व्यक्त किया।

गैर संचारी रोगों की जांच में तेजी, अब तक 5.16 लाख लोगों की हुई स्क्रीनिंग

बीएनएम@ मोतिहारी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 2 सितंबर 2026 से संचालित 'जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार' अभियान के तहत पूर्वी चंपारण जिले में गैर संचारी रोगों की जांच व्यापक स्तर पर की जा रही है। अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर से लेकर जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कैल्सर, हृदय रोग, फैटी लीवर समेत अन्य गैर संचारी रोगों की जांच की जा रही है। इस अभियान के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। जांच के दौरान संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। साथ ही, जरूरत के अनुसार बेहतर इलाज के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने के साथ उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक कर रही हैं। अभियान का उद्देश्य गैर संचारी रोगों की समय रहते पहचान कर मरीजों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में अभियान के तहत अब तक 5 लाख 16 हजार 273 व्यक्तियों की गैर संचारी रोगों की जांच की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और रोगों की शुरुआती अवस्था में पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

रासुका दमनकारी कदम

हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टॉपिया की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि फिलहाल इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दो-दूक फैसला दिया है कि सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना दमनकारी कदम था। नोएडा प्रशासन को मालूम था कि चौधरी की गिरफ्तारी कानूनन कमजोर बुनियाद पर टिकी है, इसलिए उन्हें आसानी से जमानत मिल जाएगी। ऐसा ना हो, इसलिए बिना किसी साक्ष्य के रासुका लगा दिया गया। अब जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने ना सिर्फ रासुका को रद्द किया है, बल्कि अनुचित ढंग से इसे लगाने के लिए नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम की व्यवितगत जवाबदेही भी तय की है। हाई कोर्ट ने चौधरी के संवैधानिक अधिकारों के हनन के एवज में पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह रकम रूपम की तनख्वाह से काटी जाएगी। इस तरह कोर्ट ने ऐसा फैसला दिया है, जिससे गढ़ी हुई कहानी के आधार पर नागरिकों की निजी स्वतंत्रता के हनन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लग सकती है। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व रिसर्च आकृति को नोएडा में मजदूर आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आम लोगों से मजदूरों के पक्ष में खड़ा होने का आह्वान किया था। पुलिस ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना। हाई कोर्ट ने कहा है कि शांतिपूर्व प्रतिरोध नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, जिससे उन्हें निराधार आशंका के कारण वंचित नहीं किया जा सकता। अतः अदालत ने निर्देश दिया है कि इस मामले में दोषी अधिकारियों की सर्विस बुक में कोर्ट की नाराजगी दर्ज की जाए। इसके अलावा न्यायाधीशों ने नौकरशाहों और पुलिस अफसरों को यह वचन दिलाकर उचित चेतावनी दी है कि उनकी वफादारी भारत के संविधान के प्रति है, ना कि सत्ताधारियों की सियासत प्रति। जिस दौर में सत्ता पक्ष के सिपायी हितों और प्रशासनिक अधिकारियों के व्यवहार के बीच का फासला मिटता-सा चला गया है, न्यायपालिका की ऐसी टिप्पणी को एक सामयिक एवं प्रासंगिक हस्तक्षेप माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टॉपिया (दमनकारी, भयवुत्त राज्य) की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि मौजूदा दौर में इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती।

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

कातिलाल मांडेठ

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिवालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा: परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की भावना जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लॉगिंग और

हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है। भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीक की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के



अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था। भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत से लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल

सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगातार 11वें वर्ष इसमें वृद्धि हुई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देश रहे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सुरक्षा जहरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करे। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से न केवल सुरक्षा मजबूत होती है बल्कि विदेशी निर्भरता भी कम होती है। आधुनिक

तकनीक और अनुसंधान में निवेश आने वाले समय में पारंपरिक हथियारों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मजबूत प्रतिरोधक क्षमता ही सुरक्षा की आधारशिला: परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाना अपने आप में किसी देश को अधिक सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता नहीं है। परमाणु शक्ति का वास्तविक महत्व विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता, सुरक्षित कमान और नियंत्रण तथा ऐसी क्षमता में है जिससे किसी भी संभावित हमले की स्थिति में प्रभावी जवाब दिया जा सके। भारत लंबे समय से विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति की बात करता रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी परमाणु नीति में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा नीति का लगातार मूल्यांकन करते रहना होगा। रूस और अमेरिका के विशाल परमाणु जखीरे, चीन के तेजी से बढ़ते परमाणु भंडार और पाकिस्तान की परमाणु क्षमता के बीच भारत के लिए रणनीतिक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है। इसके साथ ही आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बदल रहा है। अब केवल परमाणु हथियार ही नहीं बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर तकनीक, ड्रोन, अंतरिक्ष और सटीक मारक क्षमता भी युद्ध की दिशा प्रभावित कर सकती है। इसलिए भारत को अपनी रू

शक्ति को व्यापक आधार पर मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, अत्याधुनिक अनुसंधान, मजबूत सीमाई ढांचा, समुद्री सुरक्षा, वायु शक्ति और विश्वसनीय रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता पर लगातार निवेश आवश्यक है। किसी भी देश की सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं बल्कि उसकी वास्तविक क्षमता से सुनिश्चित होती है। एसआईपीआरआई ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण के साथ गलत आकलन और तनाव बढ़ने का खतरा भी बढ़ रहा है। इसलिए भारत के सामने चुनौती दोहरी है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय सैन्य क्षमता बनाए रखनी है और साथ ही परमाणु टकराव के जोखिम को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार नीति भी अपनानी है। रूस का विशाल परमाणु जखीरा, अमेरिका की व्यापक सैन्य क्षमता और चीन का तेजी से बढ़ता सामरिक ढांचा यह संकेत देता है कि आने वाला समय तकनीकी और रणनीतिक रूप से और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा। भारत को सैन्य बदलती दुनिया में अपनी सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करते हुए आर्थिक शक्ति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमता तीनों को साथ लेकर चलना होगा। यही दीर्घकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती है। (L 103 जलवन्त टाउनशिप पूर्णा बोर्नो मार्केट रोड, निगर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

धनंजय राठौर

500 करोड़ के मुख्यमंत्री एआई मिशन से संवरेगा युवाओं और तकनीक का भविष्य दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के

लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन: भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की भावना जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लॉगिंग और



डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग: इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक

से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सुशासन एवं उद्योग: सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेंतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लॉगिंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियां कम होती हैं। एआई सेंसर मशीनों की

स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24x7 सहायता प्रदान करने के लिए एआई संचालित टूल का उपयोग किया जाता है। नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब: नवा रायपुर को आईटी, एआई और डेटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डेटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आई नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और

स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

नवा रायपुर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर: नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआई तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा। लेखक सयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं।

सेवा संकल्प अभियान 2026 : सेवा मेरा योगदान

-पक्की छत से बदली जिंदगी, प्रधानमंत्री आवास योजना ने जशपुर के हजारों परिवारों के सपनों को दिया आकार

-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में जिले में 96 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का मकान

-पीएम जनमन से पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिला सुरक्षित आशियाना, आवास प्लस 2.0 से छूटे परिवारों तक भी पहुंचेगा लाभ कभी बारिश में टपकती छत और कमजोर दीवारों के बीच रात गुजाने को मजबूर परिवार आज अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जशपुर जिले के ऐसे हजारों परिवारों के लिए केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि वर्षों पुराने सपने को साकार करने और जीवन में स्थायित्व लाने का माध्यम बनी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 96 हजार 801 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक भी पक्के आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री साय की मंशा के



अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत पूर्व में छूटे परिवारों का सर्वेक्षण कर पात्रतानुसार उन्हें भी योजना से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कच्चे मकान की चिंता खत्म, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा:जशपुर जिले के अनेक परिवारों का जीवन वर्षों तक कच्चे मकानों में अभाव और कठिनाइयों के बीच बीता। कमजोर दीवारें, टूटी-फूटी छत और बरसात के दिनों में घर के भीतर टपकता पानी उनकी रोजमर्रा की परेशानी का हिस्सा था। बारिश के दौरान सामान को भीगाने से बचना और परिवार के लिए सुरक्षित जगह तलाशना बड़ी चुनौती होती थी। सीमित आर्थिक

संसाधनों के कारण अपना पक्का घर बनाना ऐसे परिवारों के लिए आसान नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पक्की छत मिलने से परिवारों को मौसम की मार से सुरक्षा के साथ अपने घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। आज ये आवास केवल ईंट और सीमेंट से बने मकान नहीं, बल्कि परिवारों के बेहतर भविष्य, सुरक्षा और आत्मसम्मान की मजबूत नींव बन रहे हैं। जशपुर में 1.12 लाख से अधिक आवास स्वीकृत, 96,801 आवास पूर्ण: प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 948

आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 96 हजार 801 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन पक्के घरों में हजारों परिवार अब अपने बच्चों और परिवारों के साथ सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार का प्रयास किया जा रहा है। आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, जलजो, शौचालय और एलपीगैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच परिवारों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में सहायक हो रही है। इस तरह पक्का मकान परिवार की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और बेहतर जीवन स्तर

का भी आधार बन रहा है। पीएम जनमन से पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन में आया बदलाव: जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक विकास की बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2023 से 2025 तक जिले में पीएम जनमन के अंतर्गत 2,100 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 1,614 से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। इससे विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को सुरक्षित पक्के आवास का लाभ मिला है। पीएम जनमन के तहत आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य,

शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। दूरस्थ और दुरीम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की यह पहल उनके जीवन में स्थायी बदलाव का आधार बन रही है।

आवास प्लस 2.0 : छूटे 1.02 लाख से अधिक परिवारों का हुआ सर्वेक्षण: पक्के आवास की सुविधा से कोई पात्र परिवार वंचित न रहे, इसके लिए आवास प्लस 2.0 के तहत जिले में पूर्व में छूटे परिवारों का पुनः सर्वेक्षण किया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख 2 हजार 371 परिवारों का सर्वे किया गया है। सर्वेक्षण के बाद निर्धारित पात्रता के आधार पर परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित संबंधित योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इस पहल से उन जख़्तरतमंद परिवारों के लिए भी पक्के आवास की उम्मीद मजबूत हुई है, जो किसी कारणवश पूर्व में योजना में शामिल नहीं हो पाए थे। इससे जिले में पक्के आवास का दायरा और व्यापक होगा तथा अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंच सकेगा।

एक पक्का घर, परिवार के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव: प्रधानमंत्री आवास योजना से जशपुर में दिखाई दे रहा बदलाव केवल मकानों की बढ़ती संख्या तक सीमित नहीं है।



मेघ राशि: मेघ राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सौसरं नजर आ सकते हैं। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको भविष्य में बड़े फायदे होंगे। दिनभर के कामों से आलस्य महसूस होगा परन्तु आप मेहनत से पीछे नहीं हटेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रक्का हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आप जितनी मेहनत करेंगे, आपको उतने ही बढ़िया नतीजे मिलेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही ख़ास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा है, भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद आपको मिलेगा। स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई में रूचि लेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्गेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से.. आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन ख़ास है, बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है। आज आप बिजनेस मीटिंग जॉइन कर सकते हैं।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के एग्ग्रेकिमकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। छात्रों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके पक्ष में आयेगा। कहीं रक्का हुआ पैसा आज वापस मिलेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सीगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनियर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है। अधिकारियों से ख़ास मामलों पर बातचीत होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। व्यापार के मामलों में साझेदार से विचार विमर्श करेंगे। प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों का समय अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारियों को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। कुछ छिपे विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसा कोई मौका ही न दें। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए डेली रूटीन में मैडिटेशन और योगा अपनाएं। आज भाई-बहन के साथ गेम्स खेलने का प्लान करेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालें, मन शांत रहेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिसर्पॉन्स मिलेगा। परिवार में स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए ताजे फल खायें, फायदा मिलेगा।

विराट कोहली और शुभमन गिल का शतकीय संग्राम, पहले वनडे में तोड़े सात बड़े रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में भारतीय टीम ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज ने पहले 20 ओवरों के भीतर 135 रनों की धुआंधार पारी खेली, और शुभमन गिल, जिन्होंने शतक जड़कर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी, जिससे यह मैच भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया। तिरुवनंतपुरम के इसी मैदान पर साल 2023 में विराट और गिल ने शतक लगाकर श्रीलंका के खिलाफ भारत की 317 रनों की ऐतिहासिक जीत



में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, और एक बार फिर उन्होंने उसी कारनामे को दोहराया। इस मैच में रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन उसके बाद गिल और विराट ने मिलकर टीम को जीत दिलाई और कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए।

विराट कोहली ने तोड़े सात रिकॉर्ड: किंग कोहली वनडे में सबसे तेज 15000 रन पूरे करने

वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 303 पारियों में हासिल की, जबकि तेंदुलकर ने 377 पारियां ली थीं। वह दुनिया के पहले बल्लेबाज भी हैं जिन्होंने वनडे में किन्हीं दो टीमों (वेस्टइंडीज और श्रीलंका) के खिलाफ 10-10 शतक लगाए हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में उन्होंने

सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है, दोनों के नाम अब 60 शतक हैं। भारत में खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अब 42 शतक हो गए हैं, जिससे उन्होंने तेंदुलकर की बराबरी की। व्यक्तिगत कीर्तिमान में, वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 छक्के लगाकर उन्होंने एक वनडे पारी में अपने सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी बनाया।

शुभमन गिल वनडे में साल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उनके नाम 9 पारियों में 671 रन दर्ज हैं, उन्होंने जो रूट को पीछे छोड़ा। साथ ही, गिल सबसे तेजी से 10 वनडे शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, उन्होंने 67 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, शिखर धवन (77) और विराट कोहली (80) से भी आगे निकल गए। इन रिकॉर्ड-तोड़ पारियों ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और वर्तमान दोनों की चमक बढ़ा दी है।

कोहली का करियर खत्म होने के बाद ही उनकी विरासत की अहमियत समझ आएगी : इयान बिशप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए। उनके इस ऐतिहासिक मुकाम और शानदार निरंतरता पर जियोस्टार के विशेषज्ञ इयान बिशप और वरुण आरोन ने जियोहॉटस्टार के 'हायर क्रिकेट लाइव' पर चर्चा की। इयान बिशप ने विराट कोहली की 15,000 एकदिवसीय रन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, "आपको वही करना पसंद होना



चाहिए, जो आप इतने लंबे समय तक करते हैं और उसी के साथ खुद को विकसित करते हैं। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बेहद खास श्रेणी में रखता है, क्योंकि उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर की तुलना में 74 पारियां कम खेलकर 15,000 रन पूरे किए हैं। मैं सचिन को बहुत सम्मान देता हूँ और उनके खिलाफ खेल चुका हूँ। उनका करियर

जहां भी खत्म होगा, उन्हें इस प्रारूप के महानतम बल्लेबाजों में, बल्कि शायद सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल होना ही होगा। यह असाधारण है।" उन्होंने आगे कहा, "टेलीविजन पर और स्टेडियम में मौजूद कई प्रशंसक इसकी सराहना कर रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसकी पूरी अहमियत तब तक समझ पाएंगे, जब तक उनके

खेलने के दिन खत्म हुए कुछ समय नहीं बीत जाता।" कोहली की निरंतरता पर बिशप ने कहा, "विराट इस मामले में अलग हैं। रनों के लिए उनकी भूख और लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी गणना, मुझे लगता है कि इस खेल में उसका कोई मुकाबला नहीं है। विराट को मौके की अहमियत समझने की क्षमता है, भले ही वह खुद इसे स्वीकार न करें। लेकिन यही उनका विकास है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि उन्होंने 15,000 रन पूरे कर लिए हैं। मुझे पता है कि सचिन भी वहां पहुंचे थे, लेकिन यह बहुत बड़ी संख्या है। अगर इस समय मेरे पास फूल होते, तो मैं उन्हें देता, क्योंकि वह वास्तव में इसके हकदार हैं।"

बारिश ने भारत-अफगानिस्तान मुकाबला धोया, टीम इंडिया सेमीफाइनल में

एजेंसी, आइची-नागोया

एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया। मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बारिश रुकने के बावजूद मैदान खेलने के लिए तैयार नहीं हो सका।

इसके बाद अधिकारियों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। बेहतर वरिधता प्राप्त होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिल



गया। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। इससे पहले पाकिस्तान भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गया था। पाकिस्तान का सामना अब सेमीफाइनल में

बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

इस तरह बारिश के कारण एशियाई खेलों के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों का फैसला बिना गेंद फेंके ही हो गया और भारत तथा पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनएआई के साथ की साझेदारी की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सोमवार को ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। तेंदुलकर ने कहा कि वह चैटजीपीटी के साथ नई संभावनाओं को तलाशने, अपने अनुभव साझा करने और अधिक लोगों को इस तकनीक को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर उत्साहित हैं। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस साझेदारी के तहत वह चैटजीपीटी के इस्तेमाल के नए तरीके तलाशेंगे और जो चीजें उन्हें

उपयोगी लगेंगी, उन्हें लोगों के साथ साझा करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने कहा, "मैं ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हूँ। हमारे पास कुछ दिलचस्प चीजें आने वाली हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं हमेशा से जिज्ञासु रहा हूँ... एक सवाल अक्सर दूसरे सवाल की ओर ले जाता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को और बढ़ावा दिया है। लेकिन जब मुझे कुछ काम पूरे करने होते हैं, तब भी यह उपयोगी साबित हुआ है, जैसे परिवार के साथ मेरी पिछली यात्रा की योजना बनाना।"

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला शाह इनवेस्टर्स होम का आईपीओ, 6 अक्टूबर को लिस्टिंग संभव

एजेंसी, नई दिल्ली

फाइनेंशियल सर्विस और रिटेल स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी शाह इनवेस्टर्स होम लिमिटेड का 90.17 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटमेंट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक यह आईपीओ 24 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 159 रुपये से लेकर 167 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 85 शेयर का है। इस आईपीओ में रितेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 85 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,195 रुपये का



निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,98,730 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में 1,190 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53,99,200 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए बीलाइन कैपिटल

एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। शाह इनवेस्टर्स होम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा किए गए रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (आएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 18.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 23.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त

वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 13.11 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 79.05 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 94.47 करोड़ रुपये और 2025-26 में फिसल कर 70.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लंदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 3.54 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लंदे कर्ज का बोझ और तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ कर 18.47 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 134.79 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

शिवकेम एग्रो का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

कीटनाशक और फफूंदनाशक जैसे एग्रोकेमिकल्स का उत्पादन और कारोबार करने वाली कंपनी शिवकेम एग्रो लिमिटेड का 14.01 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:15 बजे तक यह आईपीओ सिर्फ 9 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 59 रुपये से लेकर 62 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए 2,48,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.60 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एवमे यूनिवर्सल का पब्लिक इश्यू, 6 अक्टूबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, खासकर इंडस्ट्रियल सेफ्टी फूटवियर बनाने वाली कंपनी एवमे यूनिवर्सल सेफजोन 9 लिमिटेड का 35.93 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:40 बजे तक यह आईपीओ सिर्फ 9 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 65 रुपये से लेकर 71 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,27,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ

के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 50,60,800 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 59.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 25.90 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 11.15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 3.92 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्वोरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जेएंडके सिक्वोरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। एवमे यूनिवर्सल की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा किए गए रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (आएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 7.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25

में घट कर 80 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 181.67 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 191.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 211.16 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लंदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 44.51 रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 49.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लंदे कर्ज का बोझ उछल कर 58.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 41.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 46.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एसआरआईटी इंडिया का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी विभागों और बड़ी कंपनियों के लिए कस्टम सॉफ्टवेयर और आईटी सॉल्यूशन तैयार करने वाली कंपनी एसआरआईटी इंडिया का 248.40 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर



दो बजे तक यह आईपीओ 63 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 123 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 115 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 115 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,950 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,94,350 रुपये

के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,495 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.68 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए चॉयस कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

एफएक्स मल्टिट्रेक की स्टॉक मार्केट में मजबूत एंटी, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

। एचवीएससी और इंडस्ट्रियल रेंफिजेशन का काम करने वाली कंपनी एफएक्स मल्टिट्रेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंटी कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 116 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 6.08 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 123.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर कुछ देर में ही फिसल कर 117 रुपये के स्तर तक गिर गए। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 129.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 13.20 रुपये यानी 11.38 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 45 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिसांस मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 17.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रॉबर्ट पोर्शन 20.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 12.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

माउंट एवरेस्ट बुअरीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी, नई दिल्ली

इंदौर की कंपनी माउंट एवरेस्ट बुअरीज लिमिटेड ने अपने आर्थिक सर्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार माउंट एवरेस्ट बुअरीज लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ एक बुक बिल्ड इश्यू है, जिसमें पूरी तरह से 1.15 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल है। इनके शेयरों को एनएसई



और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी इस ताजा इश्यू से मिलने वाली राशि में से 230 करोड़ रुपये का उपयोग 10 लाख हेक्टोलीटर प्रति वर्ष (एचएलपीए) की क्षमता वाली एक नई ब्रूइंग (बीयर निर्माण) सुविधा स्थापित करने के लिए करेगी। इसके अलावा 70 करोड़ रुपये का उपयोग किज चुकाने या प्री-पेमेंट के लिए वॉल्यूम

कॉर्पोरेट उद्देश्यों में लगाई जाएगी। माउंट एवरेस्ट बुअरीज लिमिटेड का यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है, जिसमें नेट ऑफर का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदार को आवंटित नहीं किया जाएगा, जबकि इसके नेट ऑफर का कम से कम 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत बोलीदाता और खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाता को दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में स्थापित यह कंपनी मध्य प्रदेश में बीयर उत्पादन में एक प्रमुख नाम है। टेक्नोफार्म की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 के लिए वॉल्यूम प्रोडक्शन के हिसाब से इसकी बाजार हिस्सेदारी करीब 36.3 फीसदी है।



‘रामायण का पहला गीत’ जय जय राम तेलुगु में भी जारी

6 नवंबर 2026 को होगा रिलीज; बड़े पैमाने पर हो रहा निर्माण

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘रामायण इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और यश की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फिल्म दो भागों में रिलीज की जाएगी। फिल्म का पहला भाग 6 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। निर्माताओं ने अब फिल्म के प्रचार अभियान को तेज कर दिया है और इसी क्रम में इसके पहले गीत ‘जय जय राम का तेलुगु संस्करण भी जारी किया गया है। ‘जय जय राम के हिंदी संस्करण को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब इसका तेलुगु संस्करण भी सामने आया है। तेलुगु संस्करण के बोल रॉकेट माली ने लिखे हैं। इसे दीपवली और राघव कौशिक ने भक्तिपूर्ण अंदाज में स्वर दिया है। गीत का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। गीत के जरिए फिल्म के धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश की गई है। ‘रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साईं पल्लवी सीता की भूमिका निभा रही हैं। दक्षिण भारतीय अभिनेता यश भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इसके अलावा काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, सनी देओल, रवि दुबे और विवेक ओबेरॉय सहित कई प्रमुख कलाकार फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसके निर्माण

पर भारी-भरकम बजट खर्च किया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फिल्म का बजट 2000 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। बड़े बजट के साथ इसके दृश्य प्रभाव और तकनीकी प्रस्तुति पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ‘रामायण का निर्माण नमित मल्लोत्रा के प्राहम फोकस स्टूडियोज और दृश्य प्रभाव कंपनी डीएनईजी ने यश के मॉस्टर माईंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म को बड़े पैमाने पर भारतीय पौराणिक कथा को पर्दे पर प्रस्तुत करने की महत्वाकांक्षी परियोजना के तौर पर तैयार किया जा रहा है। फिल्म की कहानी रामायण की पृष्ठभूमि पर आधारित है और निर्माताओं ने इसे दो भागों में दर्शकों के सामने लाने की योजना बनाई है। पहले भाग की निर्धारित रिलीज तारीख 6 नवंबर 2026 है। फिल्म के गीतों और प्रचार सामग्री के जरिए अब धीरे-धीरे इसके किरदारों और कथा की झलक दर्शकों के सामने रखी जा रही है। ‘जय जय राम के तेलुगु संस्करण के जारी होने के साथ फिल्म के प्रचार अभियान को दक्षिण भारतीय दर्शकों तक भी विस्तार मिलने की उम्मीद है।



संदीप किशन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी फारिया अब्दुल्ला सिग्मा में दिखेगी नई केमिस्ट्री

अभिनेत्री फारिया अब्दुल्ला एक्शन, एडवेंचर, क्राइम, कॉमेडी ड्रामा फिल्म सिग्मा में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि वे फिल्म एक रेडियो जॉकी का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, सिग्मा मेरी पहली तमिल एक्शन-एडवेंचर हाइस्ट कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म में मेरा किरदार एक रेडियो जॉकी का है। जेसन संजय द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला लीड रोल में हैं। संदीप किशन के साथ अपनी केमिस्ट्री पर अभिनेत्री ने कहा, मैं संदीप को पहले से जानती हूँ। हम दोनों हमेशा से साथ में एक फिल्म करना चाहते थे। आखिरकार हम सिग्मा के लिए मान गए। इस फिल्म में हमारे किरदारों में काफी नयापन है। फारिया ने बताया कि जेसन संजय ने उन्हें सिग्मा की कहानी जूम कॉल पर सुनाई थी। उन्होंने कहा, पूरी कहानी सुनने के बाद मैंने उनसे पूछा कि उनकी उम्र कितनी है। उन्होंने कहा कि वो 24 साल के हैं, सुनकर मुझे ये बहुत इस्पायरींग लगा। वो बहुत विनम्र हैं और सबके साथ अच्छे से घुल-मिल जाते हैं। डायरेक्शन पर उनकी अच्छी पकड़ है। भले ही ये उनकी पहली फिल्म है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत क्लियर विजन के साथ बनाया है। सेट को हैंडल करने का उनका तरीका बहुत कूल है। एक्शन-एडवेंचर और हाइस्ट कॉमेडी फिल्म सिग्मा को लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन ने प्रोड्यूस किया है। संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला के अलावा फिल्म में राजू सुंदरम, संपत राज, शिव पंडित, अंबु थासन और योग जापी भी अहम किरदारों में हैं। कोस्टल आंध्र और तेलंगाना में फिल्म की रिलीज मैत्री मूवी डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड संभाल रही है, जबकि सोडेड एरिया में एनवीआर सिनेमा इसे डिस्ट्रीब्यूट करेगी। टेविनकल टीम की बात करें तो फिल्म में कृष्णन वसंत की सिनेमेटोग्राफी है, जिनके विजुअल्स ट्रेलर में काफी स्टाइलिश और मॉडर्न लग रहे हैं। फिल्म में म्यूजिक इंडस्ट्री के बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर्स में से एक एस थमन का है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नई फिल्मों की दस्तक के बीच ‘हनुमान अंश की कमाई बरकरार’ ‘मिर्जापुर द मूवी की कमाई 223 करोड़ के पार

शुक्रवार, 25 सितंबर को सिनेमाघरों में नई फिल्मों की दस्तक के साथ बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और तेज हो गया। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत ‘द वन शुक्रवार को रिलीज हुई, जबकि नानी की ‘द पैराडाइज एक दिन पहले शुक्रवार को सिनेमाघरों में पहुंची थी। इनके अलावा ‘मिर्जापुर द मूवी और ‘हनुमान अंश पहले से ही दर्शकों के बीच मौजूद हैं। कई फिल्मों के एक साथ प्रदर्शन के बीच शुक्रवार को इनके कारोबार पर भी नजर रही। ‘हनुमान अंश अपने प्रदर्शन के आठवें सप्ताह में पहुंच चुकी है। खास बात यह है कि लगातार नई फिल्मों की रिलीज के बावजूद फिल्म के कारोबार पर बड़ा असर दिखाई नहीं दे रहा है। फिल्म ने प्रदर्शन के 50वें दिन यानी आठवें शुक्रवार को भी करोड़ों रुपये में कमाई दर्ज की। सैकनलिक के शुरुआती रज्जान वाले आंकड़ों के अनुसार, ‘हनुमान अंश ने 50वें दिन भारत में 3.35 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का 50 दिनों का कुल घरेलू शुद्ध कारोबार 291.53 करोड़ रुपये हो गया है। ‘मिर्जापुर द मूवी ने भी सिनेमाघरों में अब तक अच्छा कारोबार किया है।



हालांकि प्रदर्शन के चौथे सप्ताह में नई फिल्मों के आने से इसके दैनिक कारोबार में गिरावट दर्ज हुई है। फिल्म ने शुक्रवार को प्रदर्शन के 22वें दिन यानी चौथे शुक्रवार को भारत में करीब 1 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। सैकनलिक के शुरुआती रज्जान के मुताबिक, इसके साथ ही ‘मिर्जापुर द मूवी का 22 दिनों का कुल घरेलू शुद्ध कारोबार 223.80 करोड़ रुपये हो गया है। कुणाल खेमु की फिल्म ‘वाइब बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित रफार नहीं पकड़ सकी है, हालांकि इसका कारोबार ‘दायरा से बेहतर रहा है। फिल्म ने अपने पहले सप्ताह में 11.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। दूसरे सप्ताह की शुरुआत में इसके कारोबार में गिरावट देखी गई। सैकनलिक के शुरुआती रज्जानों के

अनुसार, ‘वाइब ने प्रदर्शन के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को भारत में करीब 85 लाख रुपये की शुद्ध कमाई की। इसके साथ फिल्म का आठ दिनों का कुल घरेलू शुद्ध कारोबार 12.10 करोड़ रुपये हो गया है। करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत ‘दायरा का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर कमजोर रहा है। फिल्म ने अपने पहले सप्ताह में महज 6.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। दूसरे सप्ताह में प्रवेश के साथ ही इसकी कमाई में और गिरावट दर्ज की गई। सैकनलिक के शुरुआती रज्जान के अनुसार, ‘दायरा ने प्रदर्शन के आठवें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को भारत में केवल 13 लाख रुपये की शुद्ध कमाई की। इसके साथ फिल्म का आठ दिनों का कुल घरेलू शुद्ध कारोबार 6.43 करोड़ रुपये हो गया है। शुक्रवार को एक साथ कई फिल्मों के सिनेमाघरों में मौजूद होने के कारण दर्शकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। आने वाले दिनों में सप्ताहांत की कमाई से यह स्पष्ट होगा कि नई रिलीज फिल्मों में से कौन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल रहती है और पुरानी फिल्मों का कारोबार किस हद तक प्रभावित होता है।



मुश्ताक खान के निधन से दुखी राजपाल



फिल्म इंडस्ट्री के अनुभवी अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को मुंबई में 56 साल की उम्र में निधन हो गया। वेलकम, आशिकी, हम हैं राही प्यार के, हेरा फेरी और गदर फैंचाइज जैसी कई फिल्मों में यादगार सर्पोटिंग और कॉमिक रोल निभाने के लिए उन्हें जाना जाता था। उनके निधन की खबर से हिंदी फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अभिनेता राजपाल यादव ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर

लिखा, आज दोपहर मैं मुश्ताक भाई से मिलने गया था। मैंने उनसे बात की, उन्होंने मुझे देखा, मुझसे हाथ मिलाया और हमारी बातें सुनते हुए प्रतिक्रिया भी दे रहे थे। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि जिस व्यक्ति से मैं सिर्फ दो घंटे पहले मिला और हाथ मिलाया, वह अब हमारे बीच नहीं है। राजपाल यादव ने आगे कहा, हम सब ईश्वर के फेसले के आगे सिर झुकाते हैं। मुश्ताक भाई हमेशा एक लोकप्रिय व्यक्ति और अभिनेता रहे हैं और रहेंगे।

आलिया का कैबरे अवतार वायरल

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने रणबीर कपूर का दमदार पहला लुक जारी करने के बाद, अब अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म लव एंड वॉर से आलिया भट्ट के किरदार को भी पेश किया है। भंसाली प्रोडक्शंस ने एक्ट्रेस का एक ऑफिशियल पोस्टर जारी किया है, जिसमें फिल्म से उनका लुक पहली बार सामने आया है, और वह एक ग्लैमरस कैबरे अवतार में नजर आ रही हैं, जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह और

बढ़ गया है। पोस्टर में आलिया भट्ट एक ड्रामेटिक, स्टेशन-रेडी लुक में दिख रही हैं। उन्होंने वाइन रेड रंग की सीक्विन्ड ड्रेस पहनी है, जिसमें क्रॉड ब्लाउज और फ्लोइंग स्कर्ट के साथ फेडर्स (पंख) लगे हैं, जो उन्हें एक क्लासिक कैबरे डांसर का अंदाज दे रहे हैं। आलिया की स्टाइलिंग और थिएट्रिकल अंदाज, बॉलीवुड के 70 के दशक की मशहूर परफॉर्मर हेलेन के आइकॉनिक कैबरे गानों की याद दिलाता है।



अफेयर पर गोविंदा ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता गोविंदा हाल ही में अपनी फिल्म रूपा की सह-कलाकार रानी खन्ना के साथ मशहूर लालबागवा राजा पंडाल में नजर आने के बाद चर्चा में आ गए, जिससे उनके अफेयर की अफवाह फैल गई। उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिससे फैंस और ऑनलाइन यूजर्स के बीच कई तरह की अटकलें शुरू हो गईं। गोविंदा ने स्पष्ट किया कि वह अपनी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागवा राजा गए थे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कश्मिरा कपूर और रबीना टंडन जैसी सह-कलाकारों के साथ मंदिरों में गए थे, जो उनके लिए लकी साबित हुआ था और उनकी फिल्में बड़ी हिट रही थीं। अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी अफवाहों पर जबाब देते हुए, गोविंदा ने इसे सौची-समझी चाल करार दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ एक योजना का हिस्सा है, ताकि उन्हें उनके परिवार से दूर किया जा सके और समाज में उनकी छवि खराब की जा सके।

क्या है डांस मेडिटेशन? इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने से मिलते हैं कई लाभ



संगीत का चयन कैसे करें?

संगीत का चयन डांस मेडिटेशन का अहम हिस्सा है। ऐसा संगीत चुनें, जो आपको खुशी दे और आपकी ऊर्जा बढ़ाए। तेज धुन या धीमी धुन, जो भी आपको पसंद हो, उसे सुनें और उसी पर नाचें। अगर आप शास्त्रीय संगीत पसंद करते हैं तो वह भी अच्छा रहेगा। इसके अलावा लोक संगीत या कोई भी ऐसा गाना, जो आपके मन को प्रसन्न करे, उसे सुनें और नाचें। इससे आपका मन खुश रहेगा और आप बेहतर महसूस करेंगे।



डांस मेडिटेशन एक अनोखी विधि है, जिसमें नाचते हुए ध्यान लगाया जाता है। यह एक प्रकार का ध्यान है, जिसमें आप अपने शरीर को स्वतंत्र रूप से हिलाते-डुलाते हैं और अपने मन को शांत करते हैं। इस विधि का उद्देश्य मानसिक तनाव को कम करना और आत्मविश्वास बढ़ाना है। डांस मेडिटेशन से आप न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहते हैं। आइए इसके फायदे और तकनीक के बारे में जानें। डांस मेडिटेशन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। यह तनाव को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इसके अलावा यह आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्म-अनुशासन सिखाता है। डांस मेडिटेशन से आप अपने शरीर को सक्रिय रखते हुए फिट और स्वस्थ रह सकते हैं। यह विधि न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत

बना सकती है और जीवन में सकारात्मकता लाती है। डांस मेडिटेशन करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह चुनें, जहां आप बिना किसी रुकावट के नाच सकें। हल्का संगीत लगाएं और अपनी पसंदीदा धुन पर नाचें। ध्यान रखें कि यहां कोई सही या गलत तरीका नहीं होता, बस अपने मन की सुनें और खुलकर नाचें। शुरुआत में कुछ सरल मूव्स आजमाएं, फिर धीरे-धीरे अपने स्टाइल में बदलाव करें। इस दौरान गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। डांस करते समय ध्यान केंद्रित करना जरूरी है, ताकि आपका मन शांत रहे। इसके लिए आप गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। सोचने के बजाय बस महसूस करें कि आपका शरीर कैसे हिल

रहा है, इससे आपका मन शांत रहेगा और आप पूरी तरह से डांस में डूब जाएंगे। इसके अलावा आप अपने शरीर की हर हरकत को महसूस करें और उसे पूरी तरह से जीएं। डांस मेडिटेशन का नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है, ताकि इसके सभी फायदे मिल सकें। रोजाना कम से कम 20-30 मिनट तक डांस करने की कोशिश करें। इससे आपकी मानसिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप खुद को अधिक सकारात्मक महसूस करेंगे। नियमित अभ्यास से आप आलिया भट्ट अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ शिरकत करेंगी। यह पहली बार होगा जब दोनों बहनें करण के सोफे पर एक साथ नजर आएंगी। पिकविला की

अक्टूबर-नवंबर 2026 में फिर शुरू होने वाला है शो कॉफी विद करण 9

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जोहर का बेहद लोकप्रिय टॉक शो कॉफी विद करण अपने नौवें सीजन के साथ जल्द ही वापसी करने को तैयार है। शो के प्रशंसकों में यह जानने की उत्सुकता है कि कौन-कौन से सितारे करण के सलाकों का जवाब देंगे और अपनी जिंदगी के राज खोलेंगे। शो में इस बार कई बड़े सितारों की मौजूदगी की खबरें सामने आ रही हैं। कॉफी विद करण 9 कथित तौर पर दिवाली के दौरान अक्टूबर-नवंबर 2026 से शुरू होने वाला है, और इस बार भी यह मनोरंजन और गायिका का पूरा डोज देने को तैयार है। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन में सबसे खास मेहमानों में से एक आलिया भट्ट अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ शिरकत करेंगी। यह पहली बार होगा जब दोनों बहनें करण के सोफे पर एक साथ नजर आएंगी। पिकविला की



एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया और शाहीन एक हफ्ते के भीतर एपिसोड की शूटिंग करेंगी। आलिया भट्ट के लिए कॉफी विद करण कोई नया मंच नहीं है; वह पहले भी तीन बार इस शो का हिस्सा रह चुकी हैं, पहली बार सीजन 4 (2013) में वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ। हालांकि, शाहीन भट्ट के लिए यह उनकी पहली उपस्थिति होगी, जिससे यह एपिसोड और भी खास बनेगी की उम्मीद है। दोनों बहनों के बीच

बेहद खास बॉन्डिंग है, और दर्शक उनके बचपन के कई दिलचस्प राज खुलने की उम्मीद कर सकते हैं। सिर्फ आलिया और शाहीन ही नहीं, बल्कि कई अन्य बड़े नाम भी इस सीजन का हिस्सा बनेंगे जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सुपरस्टार सलमान खान की शो में आने की पुष्टि हो गई है, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है। इसके अलावा, जाह्नवी कपूर और वरुण धवन ने भी कॉफी विद करण 9 के एक एपिसोड की शूटिंग यश राज फिल्म्स के स्टूडियो में शुरू कर ली है। यह भी पहली बार होगा जब ये दोनों कलाकार एक दै शो में एक साथ दिखाई देंगे, जिससे दर्शकों को कुछ नई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। करण जोहर का यह शो साल 2004 में शुरू हुआ था और तब से यह दर्शकों के बीच अपनी बेबाक बातचीत और रैपिड फायर राउंड के लिए जाना जाता है।

BRIFF NEWS

Higher EPF wage limit
Monthly PF contribu-
tions rise to Rs 3,917



New Delhi, Agency: With EPFO increasing the mandatory wage ceiling from Rs 15,000 a month to Rs 25,000, employees will now contribute Rs 3,000 (at 12% contribution of Rs 25,000 wage) towards their PF savings from Rs 1,800 earlier, govt said in a set of FAQs released. This will be along with a contribution of Rs 917 by employ-ers (at 3.67%), up from Rs 550, taking the mandatory monthly PF contributions to Rs 3,917.

In addition, Rs 2,083 - an 8.3% contribution from employers' share - will now go towards the pension kitty from earlier Rs 1,250. On Sept 17, govt increased EPFO wage ceil- ing to bring one crore addi- tional workers into the social security net as mini- mum wages in at least seven states and UTs - Delhi, Maharashtra, Karnataka, Haryana, Gujarat, Rajasthan and Uttarakhand - have crossed the Rs 15,000 threshold.

In the case of an employee with a monthly wage of Rs 20,000, the mandatory PF contribution will be Rs 3,134 - the employee share Rs 2,400 and the employer share Rs 734, with an additional Rs 1,666 going towards EPS from employer's share. But if an employee earns, say, Rs 35,000 a month, the mandatory PF contribution will be Rs 6,000 (Rs 3,000 from employee and employers each), with no amount going towards pension as EPS is available only to those whose wages do not exceed the EPFO wage ceiling.

2 more Naga men killed
as ethnic violence flares
up in Manipur again



New Delhi, Agency: Two Mao Naga men were shot dead by unidentified gunmen at Kalenjang vil- lage in Manipur's Senapati district Saturday afternoon, with two others wounded, in the latest escalation in a Naga-Kuki conflict that has claimed more than 40 lives since Feb. The shooting took place under Senapati police station around 2.30pm, shortly after CM Yumnam Khemchand Singh left a function about 30km away. It came two days after four Tangkhul Naga men were killed allegedly by Myanmar- based Kuki National Army- Burma (B) at Pilong village near the international border in Kamjong district.

The Kalenjang and Pilong killings are part of a series of Naga-Kuki clash- es that began in Feb, short- ly after Singh's govt took charge. At least 21 people - 11 Nagas and 10 Kukis, including a pregnant woman - have been killed since Aug 27. The toll is separate from the Meitei- Kuki conflict, which has killed over 300.

Both the communities have accused militant groups from the other side of the attacks. Police have said several such allega- tions are under investiga- tion and have not been independently verified.

All misconceptions put to rest': NDA allies welcome EC press note amid SIR row'

New Delhi, Agency: BJP allies in the ruling National Democratic Alliance (NDA) on Saturday welcomed the Election Commission of India's (ECI) statement in response to a media report claiming a "rift" between Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar and the two Election Commissioners, Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi, over the Special Intensive Revision (SIR) exercise. "In the recent months, the Commission



has taken numerous deci- sions including SIR across the country. The order for the SIR issued on 24.6.2025 for all the States/UTs, start- ing with Bihar, followed by West Bengal and 30 other

States/UTs was issued with the unanimous approval of the Commission. The same has been upheld by the Hon'ble Supreme Court of India vide its order dated 27.5.2026. The schedule for

SIR for 12 States and UTs was issued on 27.10.2025 and those for 19 States/UTs was issued on 14.05.2026 with the unanimous approval of the Commission. The final fig- ure of number of electors will be known only after final publication in the remaining 12 states of Phase-III," the ECI's press note read. Following the ECI's response, Union min- ister and Lok Janshakti Party (LJP) chief Chirag Paswan, among the first BJP allies to raise the issue, maintained that it was his

responsibility to voice any question or concern arising in the public mind.

"The concerns raised by the public regarding SIR, which came before us, were presented before the Election Commission... Today, the Election Commission has clearly stated its position on all important issues point by point. The process of SIR, the unanimous agreement of all three commissioners, and the facts related to the meeting with the Cabinet Secretary have also been clearly presented," Paswan

posted in Hindi on X. "This clarity further strengthens public trust in democracy. The Election Commission plays a crucial role in democracy, and in this way, the trust of the country's people in democ- racy has increased even more," the Hajipur MP added. Andhra Pradesh chief minister and Telugu Desam Party (TDP) supre- mo N Chandrababu Naidu also welcomed the Election Commission's statement, maintaining that it "reaf- firmed the credibility of constitutional institutions.

SIR row: Congress' Khera questions EC over Form 6, says Bengal & Bihar polls 'illegal'

New Delhi, Agency: Congress leader Pawan Khera on Sunday questioned the Election Commission's response to concerns over Form 6, claiming that the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls was based on a change to the form that could not have been made without amending the Registration of Electors Rules, 1960. Speaking to news agency , Khera said the rules could not be changed without being amended in Parliament and questioned whether the Election Commission had addressed the objections raised by Election Commissioners Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi.

"The 1960 Rules cannot be changed without being amended in Parliament. The biggest point of



difference between Sandhu ji and Joshi with Gyanesh Kumar was this, and did we receive the answer to it today?" Khera said.

Questions Form 6 changes Khera alleged that the SIR exer- cise was based on an "illegally changed" Form 6 and questioned the validity of elections conducted in Bengal and Bihar on the basis of the exercise.

"The entire SIR is based on a

Form 6 that was changed illegally. The SIR that arose from that illegal form has also become illegal. The elections held in Bengal and Bihar based on that illegal SIR have also become illegal. Did we get an answer on this?" he said.

What is the Form 6 row? The controversy centres on the require- ment for new voters to provide details linking themselves or their parents or grandparents to electoral rolls from the previous SIR.

According to Indian Express reports, Election Commissioners Joshi and Sandhu had objected to incorporating the requirement into Form 6, arguing that the statutory form could not be altered without an amendment to the Registration of Electors Rules, 1960.

BJP allies close ranks, flay opposi- tion for 'undermining democracy'

New Delhi, Agency: BJP's allies on Saturday closed ranks to hit out at opposition, with TDP chief and Andhra Pradesh CM N Chandrababu Naidu saying EC's statement reaffirmed "the integrity and credibility of our constitutional institu- tions" and ended "misconcep- tions" around it. "Attempts to undermine global confidence in India's democratic frame- work for short-term political gains are deeply unfortunate," he said, urging opposition to accept wins and losses with grace.

LJP (Ram Vilas)'s Chirag Paswan said opposition is spreading confusion and



questioned why it keeps silent on states where it has formed govt. JDU member Sanjay Jha said rising frustration over poll defeats have led opposition to spread propa- ganda to undermine the democracy. Shiv Sena's Eknath Shinde said Congress keeps mum when it wins but attacks EC when it loses.

JKCA 'scam': HC rejects ED plea to add charges

Jammu, Agency: Jammu and Kashmir high court Friday reject- ed an Enforcement Directorate's petition that challenged a Srinagar CJM court's order denying permis- sion to add charges relat- ed to the receipt and concealment of stolen property in the alleged Jammu and Kashmir Cricket Association (JKCA) fund scam. Justice Sanjay Parihar held that ED's prayer for invoking sections 411 (dishonestly receiving stolen property) and 424 (dis- honest or fraudulent removal or concealment of property) of Ranbir Penal Code (RPC) lacked merit based on the material cur-



rently available.

However, the HC set aside the trial court's reasoning that ED lacked a "locus standi" to move such an application. The case dates to the period between 2002 and 2011, when BCCI granted Rs 94.06 crore to JKCA. A CBI probe found that Rs 43.69 crore was misappropriated by the then office-bearers of JKCA.

India, Canada seek to take ties 'to a higher level': EAM Jaishankar after UNGA meet

New Delhi, Agency: India and Canada are looking to take their bilateral relationship to a "higher level", external affairs minister S Jaishankar said after meeting Canadian Foreign Minister Anita Anand on the sidelines of the UN General Assembly.

"Always a pleasure to meet FM @AnitaAnandMP of Canada #UNGA81 A productive discussion as we prepare to take the relationship to a higher level," Jaishankar said in a post on X on Saturday.

The meeting comes as New Delhi and



Ottawa work to rebuild ties and advance negotia- tions for a C o m p r e h e n s i v e Economic Partnership Agreement. The two sides have set a target of concluding the trade negotiations by the end of 2026. Canadian Prime Minister Mark Carney said earlier this week that he expected Prime

Minister Narendra Modi to visit Canada in December. He also said negotiations on the trade agreement were making "good progress".

"We are making good progress in our trade negotiations with India. It is an exceptionally important relationship on many many levels, peo- ple-to-people levels, security levels, and also trade and economic," Carney said at a press conference on the side- lines of the UNGA.

Carney was respond- ing to questions about Modi's possible visit and the timeline for the trade agreement. Canada had

formally invited Modi to visit in 2026, with both governments agreeing to work through diplomatic channels to settle a mutu- ally convenient date. The possible December visit could coincide with the G20 Summit in Miami, which US President Donald Trump is sched- uled to host on December 14 and 15.

India and Canada have been working to broaden cooperation beyond trade, including in energy, critical miner- als, technology, defence and talent. The two coun- tries have also agreed to work towards a stronger strategic partnership.

Congress owes nation a public apolo- gy: Nabin after EC statement



New Delhi, Agency: Buoyed by the Election Commission's statement, BJP Saturday said it has exposed Congress and its allies as their attack on the poll body was nothing but a continuation of their tactic of shifting blame for their shrinking popular support in elections and demanded their apology.

BJP president Nitin Nabin said, "Opposition has once again been exposed for mis- leading the public on SIR. EC has made it clear that every decision relating to the SIR was taken unanimously by the full commission. Yet, Congress chose to build its allegations around a manufactured lie and attack our constitutional bod- ies." Nabin noted that opposi-

tion has no complaint when it wins but raises questions when it loses.

He said, "The hypocrisy is evident. When the same elec- toral process delivers victories to Congress and its allies, including in states like Kerala and Tamil Nadu, its credibility is readily accepted. But when the people's mandate goes against them elsewhere, they question the very institutions that conduct those elections. Democracy cannot be respected selectively."

Those who have repeatedly undermined India's democratic framework for political survival owe the nation an honest reckon- ing and a public apology, Nabin said.

BJP's Ravi Shankar Prasad said the poll panel's statement has made it clear that Rahul had levelled unfounded and shame- ful allegations. "He and Congress are blaming the Election Commission for their political failures by levelling baseless allegations against a constitutional institution. Today, their web of lies stands exposed yet again," Prasad said.

India, Bangladesh look towards Rahman visit in Nov

New Delhi, Agency: After an earlier attempt was aborted, India and Bangladesh are looking to schedule a visit by PM Tarique Rahman to India in the third week of Nov, sources said.

Efforts to reschedule the visit are likely to gain momentum after the arrival of the new Bangladesh



high commissioner, Asad Alam Siam, in the last week of Oct or early Nov. For Dhaka though, the

key concern - one which might decide whether the visit materi- alises - is the unresolved issue of former PM Hasina's extradition.

Rahman's birthday greetings to Modi and the latter's prompt response seem to have boosted the likelihood of an early finalisation of dates for the visit.

INDIA bloc to meet on Sept 30, CEC's ouster on top of agenda

New Delhi, Agency: Opposition INDIA bloc will meet on Sept 30 to discuss the alleged manip- ulation of poll rolls under SIR and a possible joint struggle to press for the resignation of CEC Gyanesh Kumar.

The meeting has been scheduled against the backdrop of nationwide outrage triggered by reve- lations that ECs SS Sandhu and Vivek Joshi had questioned many of the decisions regarding SIR. The opposition, led by Rahul Gandhi, has said the revelations tie in with their allegations of 'vote chori' in favour of BJP over the last two years. It



has demanded the scrap- ping of the SIR process. TMC MP Derek O'Brien said the demand for Gyanesh Kumar's res- ignation is "non-nego- tiable", while other issues will also be discussed at the meeting. "We will work unitedly and pur- posefully."

The meeting is expect- ed to be attended by the leading lights of the anti-

BJP front, including Mallikarjun Kharge, Rahul Gandhi, Mamata Banerjee, Akhilesh Yadav, Uddhav Thackeray and MA Baby. The meeting has been scheduled after CPM's MA Baby wrote to parties (including AAP, DMK and CJP) seeking an immediate meeting.

Trinamool's Mamata Banerjee also reached out to INDIA bloc members.

She called the CEC "Vanish Kumar", demand- ed his ouster and said the Bengal mandate was stolen. The joint brain- storming will follow a Congress Working Committee meet on Sept 29. The parties are also planning to submit a fresh "removal notice" against Kumar in both Houses of Parliament.

CPI-ML's Dipankar Bhattacharya said that there is a strong belief within INDIA bloc that some parties (Aam Aadmi Party and DMK) which are not part of the alliance umbrella should also be roped in to boost the cam- paign.